

171



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BM 524420

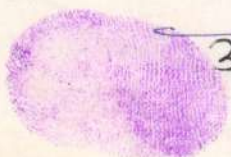


आर सिंह

जे0 आर0 एम0 चैरीटेविल ऐजुकेशनल ट्रस्ट

मैं कि अतर सिंह पुत्र स्व0 श्री जीवाराम मुखिया निवासी ग्राम सुनारी पो0 बिचपुरी आगरा का रहने वाला हूँ। भारत वर्ष में ग्रामीण क्षेत्र शिक्षा की दृष्टि से पिछड़े हुये है। भारत वर्ष के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के पढ़न पाठन की कोई समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बच्चों को सुदूर पढ़ने जाना पड़ता है तथा भारत वर्ष के ग्रामीण क्षेत्रों में कोई स्तरीय विद्यालय नही है जिससे युवा पीढी आज के इस प्रतियोगी दौर में स्वयं का स्तरविहीन पाती है और ग्रामीण क्षेत्र पिछड़े क्षेत्र होने की वजह से लोग लड़कियों को पढ़ने नहीं भेजते है और वह अशिक्षित रह जाती है। यदि पिछड़े व ग्रामीण क्षेत्रों में कोई अच्छा विद्यालय होगा तो क्षेत्र के बच्चों को समुचित शिक्षा मिल सकेगी जो कि सर्वांगीण विकास के लिए जरुरी है। अतः शैक्षिक रूप से ग्रामीण पिछड़े हुये क्षेत्रों में शिक्षा के समुचित साधन विकसित करने के लिए ट्रस्ट की स्थापना करना चाहता हूँ जो स्कूल, कॉलेज, तकनीकी कॉलेज, आदि खोलकर संचालित करें जिससे कि समाज का प्रत्येक वर्ग लाभान्वित हो सके व शिक्षित होकर समाजोत्थान व राष्ट्र नवनिर्माण में अद्वितीय भूमिका व अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाहन कर सके। शिक्षा के उत्तरोत्तर विकास के माध्यम से समाज को नवनिर्माण की दिशा में अग्रसर करके एक सुदृढ़ राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सके। अतः मिनमुकिर एक एजुकेशनल ट्रस्ट की स्थापना करना

5828



आर सिंह



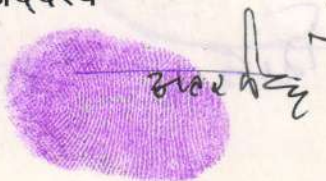
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BM 524421

2

चाहता है क्योंकि शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में विद्यालयों की स्थापना कर विद्यालय संचालित किये जा सकें। अतः मिनमुकिर निम्नवत एक ट्रस्ट स्थापित करता है -

1. ट्रस्ट का नाम - जे० आर० एम० चैरीटेबिल एजुकेशनल ट्रस्ट
2. ट्रस्ट का पता - सुरभी कॉम्पलैक्स दुकान न. 4 बिचपुरी नीयर रेलवे स्टेशन आगरा
3. शाखा कार्यालय - ट्रस्ट की शाखाये देश के अन्य स्थानो पर भी स्थापित की जा सकती है।
4. ट्रस्ट का कार्य क्षेत्र - सम्पूर्ण भारत बर्ष
5. ट्रस्ट का संस्थापक- श्री अतर सिंह पुत्र स्व० श्री जीवाराम मुखिया निवासी ग्राम सुनारी पो० बिचपुरी आगरा।
6. ट्रस्ट की स्थापना की तिथि- 18/04/2013
7. ट्रस्ट का आरम्भिक धन /सम्पत्ति - 11000/-रु० इसके अतिरिक्त ट्रस्ट रजिस्टर्ड होने के समय कोई चल व अचल सम्पत्ति नहीं है।
8. ट्रस्टीगण के नाम व पता-
 - (i) श्री राजवीर सिंह पुत्र श्री अतर सिंह ग्राम सुनारी पो० बिचपुरी आगरा।
 - (ii) श्री संजीव कुमार पुत्र श्री अतर सिंह ग्राम सुनारी पो० बिचपुरी आगरा।
 - (iii) श्री मनोज कुमार पुत्र श्री अतर सिंह ग्राम सुनारी पो० बिचपुरी आगरा।
9. ट्रस्ट का अद्देश्य-



430

17 फरवरी

स्टाम्प क्रय करने की तिथि.....

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन.....

स्टाम्प केला का नाम व पूरा पता.....

स्टाम्प की मतिथि.....

बलवीर सिंह

साहसगंज नं. 8

सा. पी. अगति 31 मार्च 2013

सदर अगरा, आगरा

यास पत्र

11,000.00

110.00

20

130.00

800

न्यास की राशि

फीस रजिस्ट्री

नकल व प्रति शुल्क

योग

शब्द लगभग

श्री अतर सिंह
पुत्र श्री जीवारास

व्यवसाय व्यापार

निवासी स्थायी सुनारी आगरा

अस्थायी पता

ने यह लेखपत्र इस कार्यालय में

दिनांक

18/4/2013

समय

4:10PM

वजे निबन्धन हेतु पेश किया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

श्रीमती सुमन गुप्ता प्र०
उपनिबन्धक(द्वितीय)

आगरा सदर

18/4/2013

निष्पादन लेखपत्र बाद सुनने व समझने मजमून

न्यासी

श्री अतर सिंह
पुत्र श्री जीवारास
पेशा व्यापार
निवासी सुनारी आगरा

ने निष्पादन स्वीकार किया।

जिनकी पहचान श्री तेज सिंह

पुत्र श्री बदन सिंह

पेशा व्यापार

निवासी सुनारी आगरा

व श्री सुनील सिंह

पुत्र श्री महेन्द्र सिंह

पेशा व्यापार

निवासी कराहरा आगरा

ने की।

प्रत्यक्षतः भद्र साक्षियों के निशान अंगूठे नियमानुसार लिये गये हैं।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

श्रीमती सुमन गुप्ता प्र०
उपनिबन्धक(द्वितीय)

आगरा सदर

18/4/2013

आगरा

तेज सिंह

सुनील सिंह



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BM 524422



3

- (i) ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक स्तर से उच्च शिक्षा, विधि, तकनीकी व चिकित्सीय शिक्षण संस्थानों की स्थापना करना तथा उनका संचालन करना है।
- (ii) ट्रस्ट संस्था के उद्देश्य शिक्षा का प्रसार व प्रचार करना व बच्चों में नैतिक, सामाजिक, शारीरिक बौद्धिक कलात्मक, रचनात्मक उन्नति का समुचित प्रयास करना।
- (iii) ट्रस्ट का उद्देश्य निर्धन, असहाय, विकलांग बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान करना व उन्हें छात्रवृत्ति दिलाने की भी व्यवस्था करना।
- (iv) ट्रस्ट का उद्देश्य क्रीडा केन्द्रों, व्यायामशाला, पुस्तकालय, वाचनालय, एवं खेल सामग्री की उचित व्यवस्था करना।
- (v) ट्रस्ट का उद्देश्य निर्धन, असहाय, विकलांग, बच्चों को निशुल्क सिलाई, कढ़ाई, कताई, बुनाई, हस्तशिल्प, कम्प्यूटर, टाइपिंग, आदि सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वित कर उन्हें स्वरोजगार एवं आत्म निर्भर बनना।
- (vi) ट्रस्ट संस्था का उद्देश्य शिक्षा के उत्तरोत्तर विकास हेतु कार्यक्षेत्र में प्राईमरी से लेकर उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा तक के स्कूलों, कॉलेजों, एवं महाविद्यालयों तकनीकी महाविद्यालयों, की स्थापना करके संचालन करना।
- (vii) संस्था का उद्देश्य बच्चों को स्वावलम्बी एवं आत्म निर्भर बनाने हेतु उन्हें निशुल्क तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षण-प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्म निर्भर एवं योग्य नागरिक बनाना व राष्ट्र विकास में सहयोग करना।

431

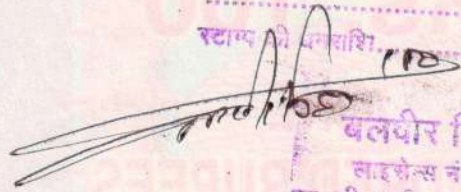
17-4-13

स्टांप विक्रय की तिथि.....
 स्टांप क्रय करने का प्रयोजन.....
 स्टांप केला का नाम व पूरा पता.....
 स्टांप की प्रमाणाधि.....

रु 12

जि. 0-3112-0-2001 - चौकरी आगरा

428



बलबीर सिंह
 लाइसेंस नं. 0
 एन. की अधिधि 01 मार्च 2015
 आगरा जिल्ला, आगरा

न्यासी

Registration No.: 171 Year: 2013 Book No.: 4

0101 अतर सिंह
 जीवाम
 सुनारी आगरा
 व्यापार



(i) कि...
 (ii) कि...
 (iii) कि...
 (iv) कि...
 (v) कि...
 (vi) कि...
 (vii) कि...
 (viii) कि...
 (ix) कि...
 (x) कि...





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BM 524423

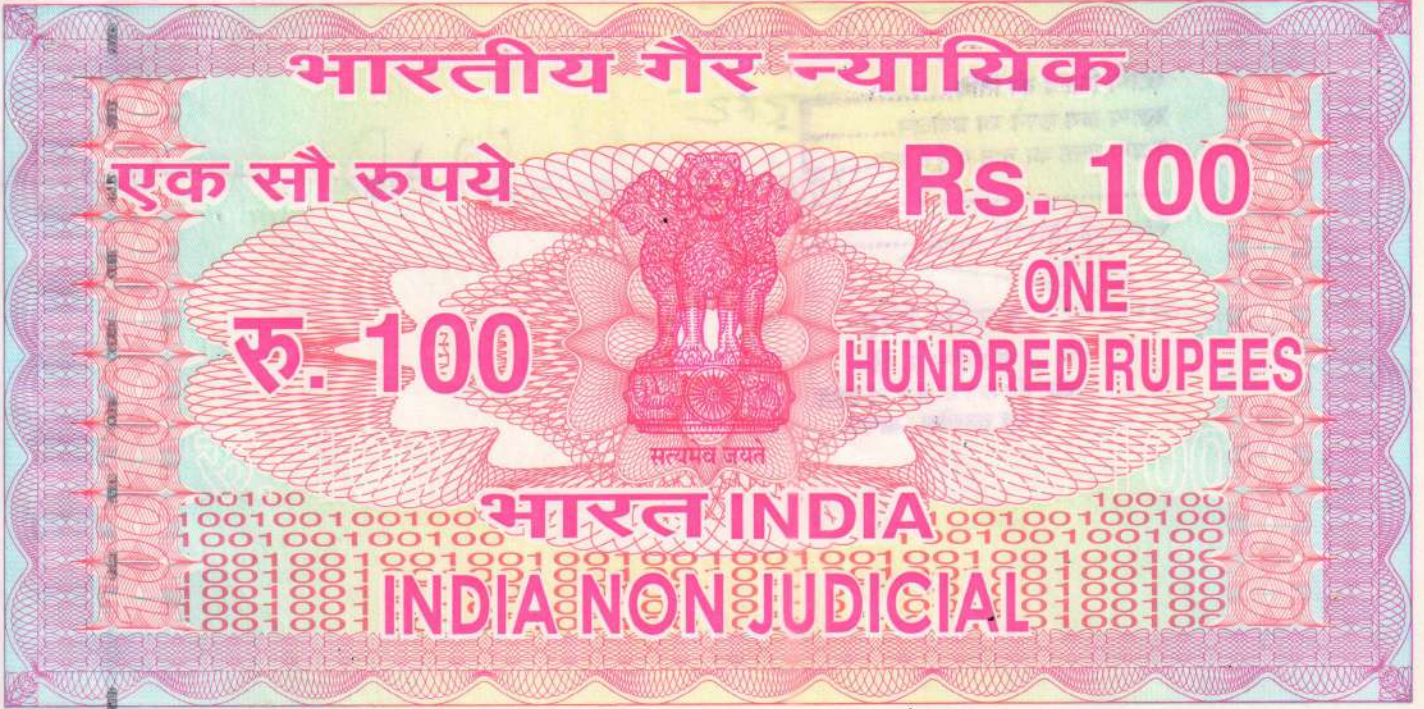


4

- (viii) संस्था का उद्देश्य युवाओं में शारीरिक शिक्षा, व्यायाम तथा विशेष रूप से योग शिक्षा के प्रति जागरुकता तथा इसके प्रशिक्षण की समुचित व्यवस्था करना कि जिससे कि युवा पीढ़ी स्वस्थ रहे तथा राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे।
- (ix) असहाय वृद्धों के लिए वृद्धाश्रम खोलना तथा उन्हें संचालित करना जिससे वह आत्म सम्मान के साथ अपना जीवन निर्वाह कर सके।
- (x) चिकित्सालयों व चिकित्सीय शिक्षण संस्थानों की स्थापना कर उन्हें संचालित करना तथा भारतीय चिकित्सा पद्धतियों प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद आदि को प्रोत्साहित करना।
10. **ट्रस्ट के लाभार्थी**— उक्त ट्रस्ट एक पब्लिक चैरिटेबिल ट्रस्ट के रूप में स्थापित किया जा रहा है तथा इसका उद्देश्य शिक्षण संस्थान स्थापित कर उनका संचालन करना है तथा अन्य उद्देश्यों की पूर्ति हेतु कार्य करना है अतः उक्त ट्रस्ट द्वारा स्थापित विद्यालय होंगे उक्त ट्रस्ट से जो भी आय होगी वह शिक्षा के उत्तरोत्तर विकास व नये शिक्षण संस्थान खोलने एवं उनके संचालन व ट्रस्ट के अन्य उद्देश्यों की पूर्ति में खर्च की जावेगी।
11. **ट्रस्टीगण** — संस्था में निम्न प्रकार के ट्रस्टीगण होंगे।
- (i) **कुल क्रमागत ट्रस्टीज**— वह ट्रस्टीज जिन्होंने ट्रस्ट की स्थापना में विशेष सहयोग किया कुल क्रमागत ट्रस्टीज होंगे ऐसे ट्रस्टीज का अपना उत्तराधिकारी अपने जीवनकाल में नामित करने का अधिकार होगा। यदि वह अपना उत्तराधिकारी नामित न कर सके शेष वर्तमान ट्रस्टीज उसके उत्तराधिकारियों में से



उत्तराधिकारी



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BM 524424

5



उसके रिक्त पद की पूर्ति कर लेंगे। संस्था के वर्तमान तीनों ट्रस्टी कुल क्रमागत ट्रस्टी है। कुल क्रमागत ट्रस्टी के उत्तराधिकारी भी कुल क्रमागत ट्रस्टी होंगे तथा उन्हें ही कुल क्रमागत ट्रस्टी का पूरा लाभ मिलेगा।

(ii) सामान्य ट्रस्टी— कुल क्रमागत ट्रस्टी आवश्यकता पड़ने पर अन्य ट्रस्टी सर्वसम्मानित से मनोनीत कर सकेगा। जिनका कार्यकाल 3 वर्ष का होगा तथा वह पुनः भी ट्रस्टी बन सकते हैं। सामान्य ट्रस्टीज को अपना उत्तराधिकारी नामित करने का अधिकार नहीं होगा। उनके रिक्त स्थान की पूर्ति कुल क्रमागत ट्रस्टीज के द्वारा सर्वसम्मानित के आधार पर की जावेगी।

(iv) पदेन ट्रस्टीज— ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्थानों में प्रमुख/प्रधानाध्यापक पदेन ट्रस्टी होंगे परन्तु उन्हें मत देने का अधिकार नहीं होगा और न ही उनकी उपस्थिति गणपूर्ति के लिए देखी जायेगी।

12. ट्रस्ट मण्डल— सभी प्रकार के ट्रस्टीज से मिलकर ट्रस्ट मण्डल का गठन होगा।
13. ट्रस्ट की बैठक— सभी ट्रस्टीगण की बैठक वर्ष में चार आवश्यक रूप से होंगी तथा आवश्यकता पड़ने पर अथवा अध्यक्ष के निर्देश पर सचिव द्वारा बैठक आवश्यक रूप से बुलाई जायेगी।
14. बैठक का कोरम— ट्रस्ट की बैठकों हेतु 2/3 ट्रस्टीज के दो की उपस्थिति आवश्यक होगी।



आर.प.दे




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AK 600533

6

15. ट्रस्टियों के अधिकार एवं कर्तव्य— ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु कार्य करना। ट्रस्ट के पदाधिकारियों का निर्वाचन आदि करना। वार्षिक बजट एवं वार्षिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना। संस्था की उप-समितियों का गठन करना एवं उनके लिए नियम इत्यादि बनाना।
16. ट्रस्ट के पदाधिकारी— ट्रस्ट के निम्न पदाधिकारी होंगे।
 - (i) अध्यक्ष,
 - (ii) सचिव,
 - (iii) कोषाध्यक्ष,
17. ट्रस्ट के पदाधिकारियों का कार्यकाल— ट्रस्ट के पदाधिकारियों का कार्यकाल अपने चुने जाने से पाँच वर्ष होगा।
18. ट्रस्ट पदाधिकारियों का निर्वाचन— पदाधिकारियों का कार्यकाल समाप्त होने पर नया निर्वाचन कराया जायेगा जिसमें सभी कुल क्रमागत ट्रस्टीज व सामान्य ट्रस्टीज भाग लेंगे परन्तु प्रतिबन्ध यह है। कि अध्यक्ष व सचिव का निर्वाचन कुल क्रमागत ट्रस्टीज में से ही किया जायेगा। परन्तु प्रत्येक पदाधिकारी अपना उत्तराधिकारी चुने रहने तक अपने पद पर कार्य करता रहेगा।
19. ट्रस्टीगण को पद से हटाना— यदि कभी कोई सामान्य ट्रस्टी निष्क्रीय हो जावे अथवा उसकी गतिविधियाँ संस्था के हित में न हों तो ट्रस्टीगण बहुमत से प्रस्ताव पारित कर उसे ट्रस्टी के पद से हटा सकेंगे। प्रस्ताव पारित होने के तुरन्त पश्चात् वह पद से पृथक माना जायेगा। परन्तु कुल क्रमागत ट्रस्टी पद से हाटया नहीं जा सकेगा।

 अरवि

434

17-4-18

रजिस्ट्रार की तिथि.....

रजिस्ट्रार के कार्यालय का प्रयोजन.....

रजिस्ट्रार के कार्यालय का नाम व पूरा पता.....

रजिस्ट्रार की निगरानी.....

512

UO-31120200-429

[Handwritten signature]

बलवीर सिंह

कार्यालय नं. 8

की अवधि 31 मार्च 2018

उत्तर प्रदेश, आगरा

AK 600233

उत्तर प्रदेश

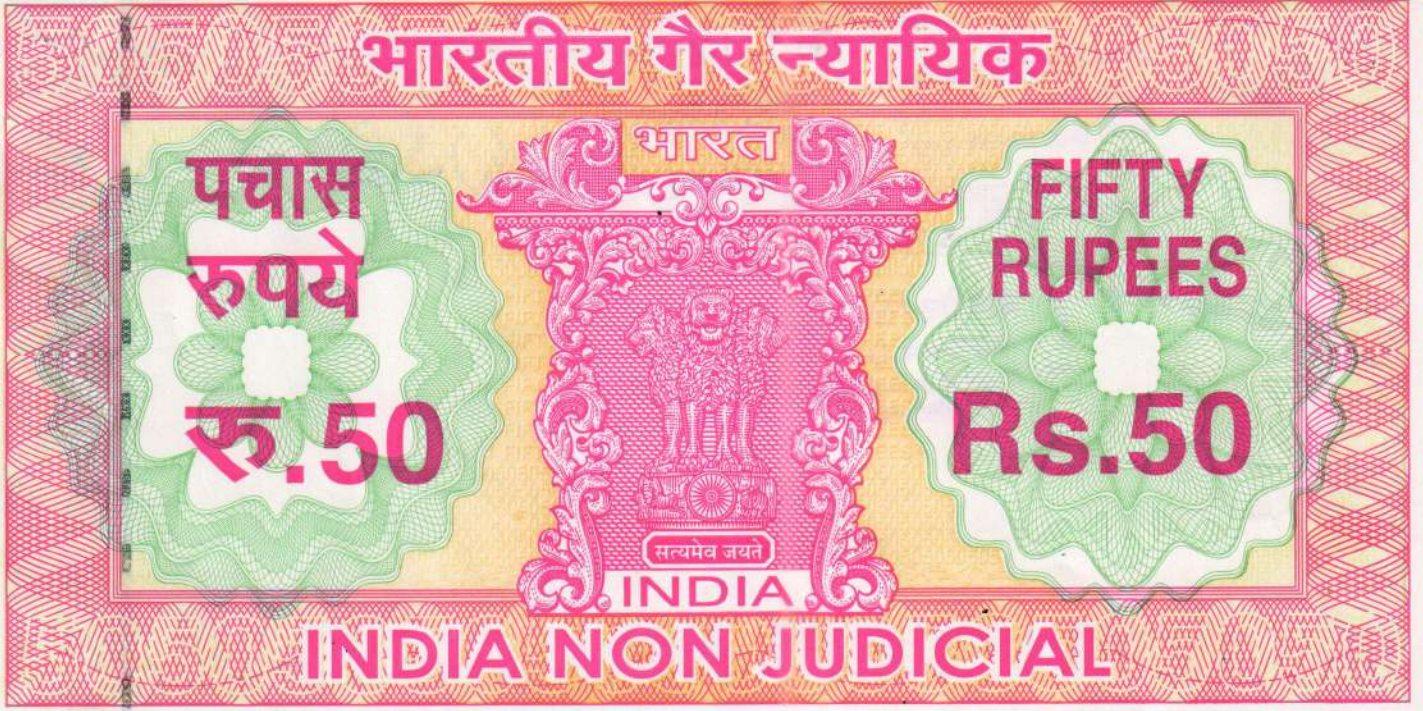
एक पृष्ठों की संख्या के अन्तर्गत - प्रत्येक एक पृष्ठों के अन्तर्गत
एक एक पृष्ठों के अन्तर्गत - प्रत्येक एक पृष्ठों के अन्तर्गत
एक एक पृष्ठों के अन्तर्गत - प्रत्येक एक पृष्ठों के अन्तर्गत

- (i) प्रथम
- (ii) द्वितीय
- (iii) तृतीय

एक एक पृष्ठों के अन्तर्गत - प्रत्येक एक पृष्ठों के अन्तर्गत
एक एक पृष्ठों के अन्तर्गत - प्रत्येक एक पृष्ठों के अन्तर्गत
एक एक पृष्ठों के अन्तर्गत - प्रत्येक एक पृष्ठों के अन्तर्गत

एक एक पृष्ठों के अन्तर्गत - प्रत्येक एक पृष्ठों के अन्तर्गत
एक एक पृष्ठों के अन्तर्गत - प्रत्येक एक पृष्ठों के अन्तर्गत
एक एक पृष्ठों के अन्तर्गत - प्रत्येक एक पृष्ठों के अन्तर्गत

[Handwritten signature]



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AK 600534

7

20. रिक्त स्थान की पूर्ति— सभी ट्रस्टीगण जीवनपर्यन्त ट्रस्टी के रूप में कार्य करते रहेंगे परन्तु यदि कभी किसी ट्रस्टी के निधन से अथवा त्यागपत्र स्वीकृत होने से अथवा पद से हटाने से किसी ट्रस्टी का पद रिक्त हो जाता है। तो उसकी पूर्ति शेष ट्रस्टीयों के द्वारा की जायेगी। इसी प्रकार यदि किसी पदाधिकारी का पद रिक्त हो जाता है। तो उसकी पूर्ति भी ट्रस्टीगण के द्वारा की जायेगी।
21. पदाधिकारियों के अधिकार व कर्तव्य—
अध्यक्ष— ट्रस्ट की समस्त बैठकों की अध्यक्षता करना। समान मत आने पर निर्णायक मत देना। संस्था की चल-अचल सम्पत्ति की सुरक्षा करना। संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु अन्य जो भी आवश्यक कार्य हो सभी कार्य करना।



435

17-4-13

राज्य क्रमिक की तिथि

राज्य क्रमिक करने का प्रयोजन

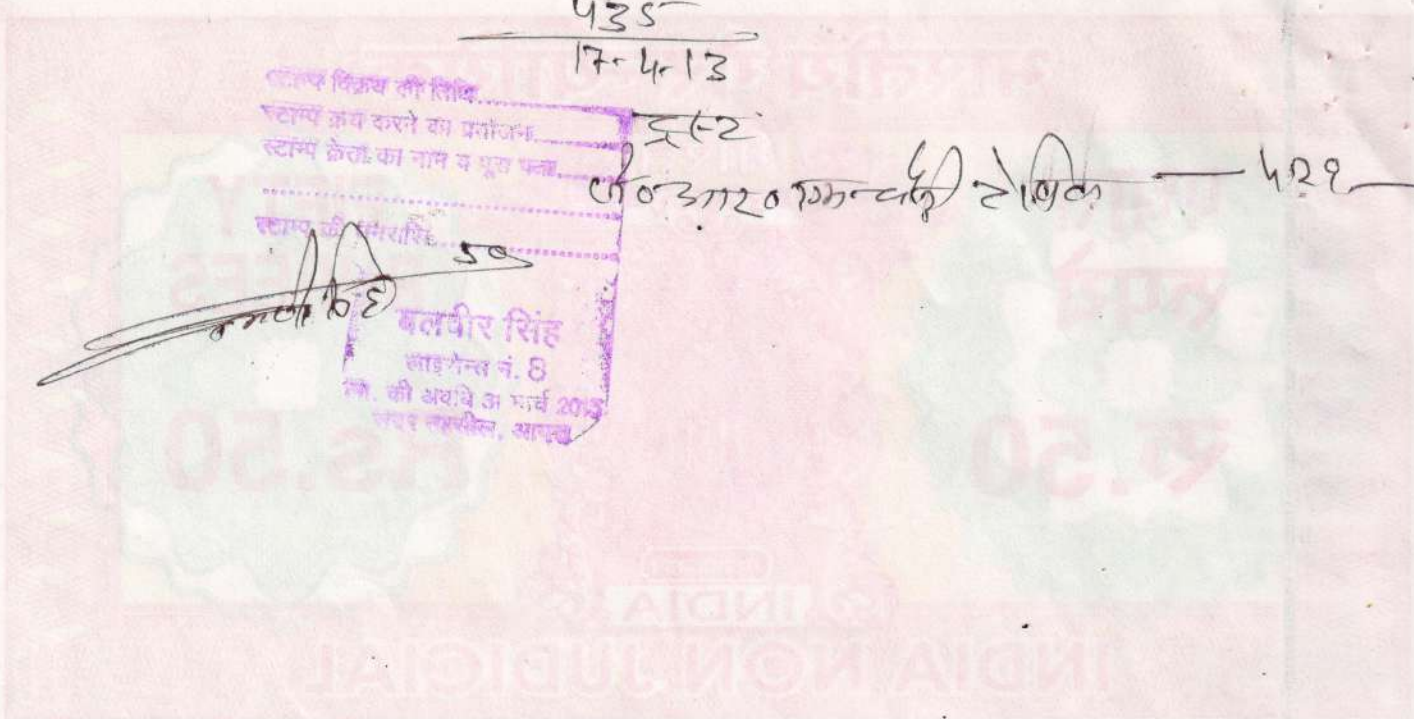
राज्य क्रमिक का नाम व पूरा पता

राज्य की संख्या

Handwritten signature and scribbles.

Handwritten notes including "429" and illegible scribbles.

बलवीर सिंह
साईनेस नं. 8
जो. की अश्वि ज मार्च 2013
अपराध न्यायालय, आगरा



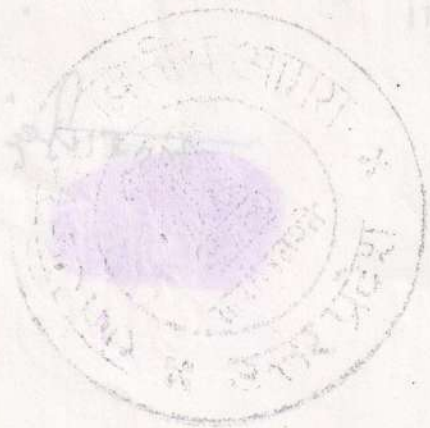
AK 60524

उत्तर प्रदेश

प्राप्त है एक के डिप्टी कमिश्नर... 20

उत्तर प्रदेश के जल संयंत्रों के मालिकों को...

... 21





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AK 600535

8

सचिव- संस्था की बैठक बुलाना एवं बैठक की सूचना सदस्यों तक पहुँचाना। बैठकों की कार्यवाही लिखना। संस्था के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना तथा उसका प्रचार व प्रसार करना। दान लेना तथा चन्दा प्राप्त आय को संस्था के कोष में जमा करना। संस्था के मुख्य कार्यपालक के रूप में कार्य करना संस्था की ओर से पत्राचार करना संस्था की ओर से कानूनी कार्यवाही करना तथा संस्था की ओर से संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु ऋण लेने अथवा इसके लिए आवश्यक कार्यवाही करने तथा प्रपत्र निष्पादित करने का दायित्व भी सचिव का होगा।

कोषाध्यक्ष- संस्था के आय-व्यय का विवरण रखना तथा संस्था के कोष को बैंक में जमा कराना।

22. **ट्रस्ट के कोष की व्यवस्था-** ट्रस्ट का सभी धन किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्थान में खाता खोलकर जमा कराया जावेगा जिसका संचालन सचिव के हस्ताक्षर से किया जायेगा।



430
17-4-13

स्वाम्य विक्रय की तिथि.....
स्वाम्य क्रय करने का प्रकार.....
स्वाम्य केला का नाम व पुरा पता.....
स्वाम्य की संख्या.....

422

17-03-2013 2088-2097-1900-424

[Handwritten signature]

बलवीर सिंह
लाहौर नं. 8
स्व. की अर्थात् अ. 2015
खतरा तहसील, आगरा

AK 60033

UTTAR PRADESH

का निम्नलिखित कि कर्तव्य कि कर्तव्य कि कर्तव्य - इति
कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी
कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी
कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी
कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी
कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी
कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी
कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी

कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी
कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी
कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी
कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी
कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी कि कर्मचारी





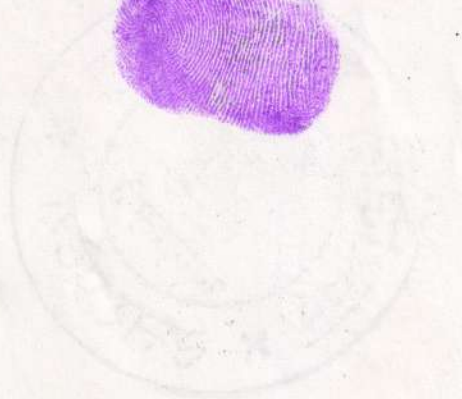
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AK 600536

9

23. ट्रस्ट द्वारा स्थापित विद्यालयों का प्रबन्धन— ट्रस्ट द्वारा जो भी शिक्षण संस्थान स्थापित किये जायेंगे उनका प्रबन्धन ट्रस्ट मण्डल अथवा ट्रस्ट मण्डल द्वारा गठित एक प्रबन्ध समिति के हाथों में होगा उक्त प्रबन्ध समिति का कार्यकाल पाँच वर्ष होगा परन्तु यदि ट्रस्टीगण की आमराय हो कि उक्त प्रबन्ध समिति विधिवत कार्य संचालन नहीं कर रही है तो वह 2/3 बहुमत से कभी भी प्रबन्ध समिति का भंग कर उसके स्थान पर नयी प्रबन्ध समिति का गठन कर सकेंगे। अथवा उसका प्रबन्धन ट्रस्ट मण्डल अपने हाथ में ले सकेंगे। लेकिन क्रमागत ट्रस्टी पद से नहीं हटाये जा सकेंगे।

अरवि



437

17-4-13

स्टाम्प विक्रय की तिथि.....
स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन.....
स्टाम्प केला का नाम व पूरा पता.....

रुए

411/1000 → 429

स्टाम्प की धारदाति.....

[Handwritten signature]

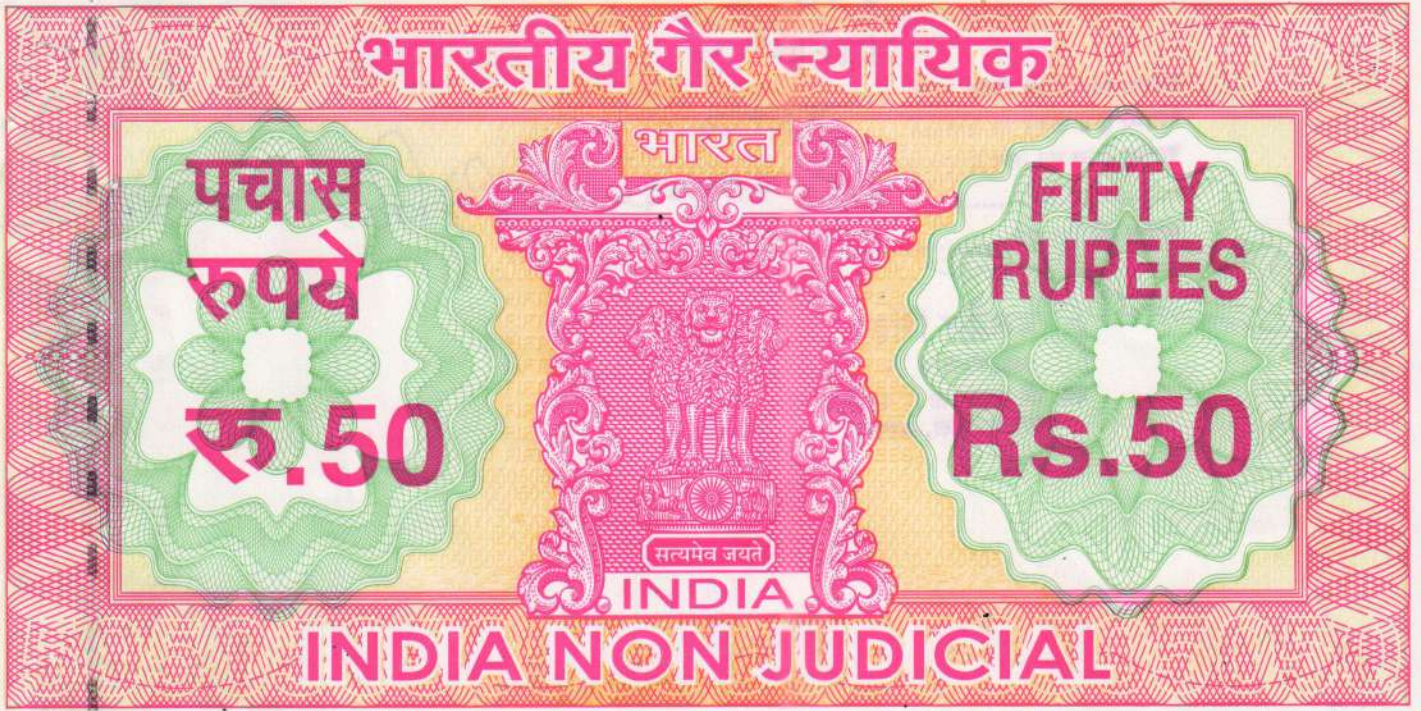
बलवीर सिंह
साहसिक नं. 8
ला. की अगुआ अ मार्च 2013
सदर तहसील, आगरा

AK 60838

उत्तर प्रदेश

पञ्जाबी लि भाषा का उद्देश्य - पञ्जाबी भाषा के विकास के लिए 1913 ई. में
उद्देश्य के अन्तर्गत उद्देश्य के अन्तर्गत विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न
विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न
विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न
विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न
विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न
विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न
विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न




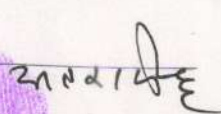


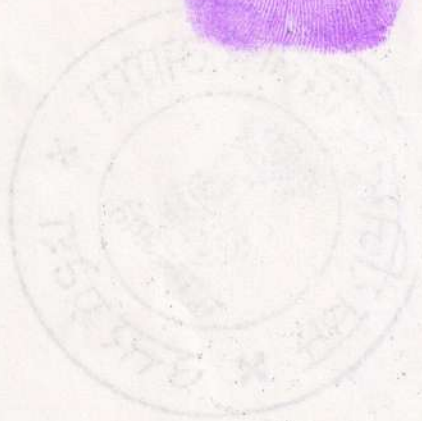
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AK 600537

10

24. ट्रस्ट का विघटन— यदि कभी ट्रस्ट अपने उद्देश्यों में सफल न हो पाये तो ट्रस्ट की सम्पत्ति ट्रस्ट के संस्थापक के पास पहुँच जायेगी। अतः उक्त ट्रस्टडीड के आधार पर उक्त ट्रस्ट का गठन कर ट्रस्टडीड निष्पादित कर दी, ताकि सनद रहे व वक्त जरूरत काम आवे। तहरीर तारीख 18/04/2013 को ट्रस्टडीड निष्पादित की गयी। वमसौदा लाखन सिंह बघेल दस्तावेज लेखक सदर, तहसील आगरा



438

17-4-13

स्टाम्प विक्रय की तिथि.....

स्टाम्प क्रय करने का प्रकार.....

स्टाम्प केता का नाम व पूरा पता.....

स्टाम्प की धारता.....

रु० ५००

47/2/100 - 429

(Handwritten signature)

बलवीर सिंह
लाइसेंस नं. 5
ल. की अधि अ. नं. 2015
सदर तहसील, आगरा

AK 600237

367 NEW UTTAR PRADESH

यह कि न कलक में प्रदर्शित निम्न ऊपर लिखे गये - कलक में एक ऊपर
कलक का। विशेष रूप से कलक के कलक में ऊपर लिखित कि ऊपर कि
एक कलक में प्रदर्शित एक कलक कि ऊपर कलक का प्रदर्शित कि प्रदर्शित
प्रदर्शित प्रदर्शित। यह कि कलक कलक का कि कलक कलक कि
कलक कलक कलक। यह कि कलक कलक कि कलक कलक कि कलक कलक
कलक कलक कलक कलक कलक कलक कलक कलक कलक कलक कलक कलक



भारतीय गैर न्यायिक



पचास
रुपये
रु.50

FIFTY
RUPEES
Rs.50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AK 600538

11

हस्ताक्षर गवाहान-

हस्ताक्षर संस्थापक

Signature
31.12.14

साक्षी का नाम तेज सिंह
पिता श्री श्री खदन सिंह
निवासी ग्राम सुनारी आग्रह

तेज सिंह



लेखक का नाम:- लाखन सिंह बघेल
लाइसेंस नं. 33
मान्य तिथि 2013-2014
लेखन शुल्क 100
लेखक के हस्ताक्षर [Signature]

साक्षी का नाम सुनील सिंह
पिता श्री महेन्द्र सिंह
निवासी ग्राम करारा तहसील रावली

सुनील सिंह



439
17-4-13

स्टाम्प विक्रय की तिथि.....
स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन.....
स्टाम्प क्रेता का नाम व पूरा पता.....

रफ्त

17037202002-2/2/1000-429

स्टाम्प की बतवारी.....

[Handwritten signature]

बलवीर सिंह
लाइसेंस नं. 8
ला. की अवधि अक्टूबर 2013
सादर सहसील, आगरा

आज दिनांक 18/04/2013 को
वही सं 4 जिल्द सं 512
पृष्ठ सं 109 से 130 पर क्रमांक 171
रजिस्ट्रीकृत किया गया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

[Red signature]
श्रीमती सुमन गुप्ता प्र०
उपनिबन्धक(द्वितीय)

18/4/2013

